CBKG-002

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(CBKG)

सत्रीय कार्य

(जनवरी, 2025 एवं जुलाई, 2025 सत्रों के लिये)

CBKG-002 कालगणना की विधियाँ

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

कालगणना की विधियाँ : CBKG-002

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : CBKG-002/2025-26

प्रिय छात्रो/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता :.....

दिनाँक :.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :.....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 अप्रैल, 2025

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 30 नवम्बर, 2025

सत्रीय कार्य : CBKG-002
कालगणना की विधियाँ

सत्रीय कार्य – CBKG-002/TMA/2025-26 पूर्णांक - 100

नोट – **इस सत्रीय कार्य में दिए गए सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए। (20 × 2 = 40)

i) भारतीय कालगणना की विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए।

ii) अधिक मास और क्षय मास की संकल्पना को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

iii) भारतीय कालगणना में सप्ताह एवं दिनों की संकल्पना क्या है? उनके नामकरण की पद्धति समझाइए।

iv) अयन का अर्थ स्पष्ट करते हुए उत्तरायण एवं दक्षिणायन के महत्व को समझाइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) दीजिए। (10 × 4 = 40)

i) भारतीय कालगणना की व्यावहारिक उपयोगिता को एक उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

ii) अमूर्त काल से क्या अभिप्राय है? इसका विवरण दीजिए।

iii) मुहूर्त किसे कहते हैं? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?

iv) करण क्या होते हैं? उनके स्वरूप का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

v) चंद्र ग्रहण के कारणों को स्पष्ट करें एवं यह किस तिथि को घटित होता है?

vi) ऋतु परिवर्तन किस कारण से होता है? इसका वैज्ञानिक और ज्योतिषीय विश्लेषण कीजिए।

vii) अधिक मास की अवधारणा क्या है? इसे उदाहरण सहित समझाइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। (10 × 2 = 20)

i) भारतीय कालगणना में मौसम के ज्ञान के लिए किन कारकों का अध्ययन किया जाता है?

ii) काल के दो प्रकारों का वर्णन किस ग्रंथ में प्राप्त होता है?

iii) दिन में कुल कितने मुहूर्त होते हैं?

iv) सप्ताह का सबसे प्राचीन उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है?

v) भारतीय आषाढ़ मास का क्या अर्थ है?

vi) भारत में चांद्र मासों को अपनाने के प्रमुख कारण क्या हैं?

vii) 12 वर्षों के युग का संबंध किस ग्रह से माना जाता है?

viii) कालगणना में "धर्म" शब्द किस संख्या का प्रतीक है?

ix) कुल कितने मन्वंतर होते हैं, और वर्तमान में कौन-सा मन्वंतर चल रहा है?

x) कालगणना में कल्प की संकल्पना क्या है?